Raj Express (Indore), 19th December 2025, Page- 11

आयोजन

जैव-प्रौद्योगिकी के साथ-साथ मनोविज्ञान एवं संज्ञान से भी परिचित कराया गया

आईआईटी: छात्रों में वैज्ञानिक चेतना जगाने कार्यशाला

● इंदौर / राज न्यूज़ नेटवर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (आईआईटी इंदौर) ने बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (बीआरएसआई) तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी इंदौर के सहयोग से स्कूली विद्यार्थियों के लिए एकदिवसीय जैव-प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण एवं कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन 'द ग्रीन कैटेलिस्ट- साइंस, सस्टेनेबिलिटी एंड बिज़नेस (जीसी-एसएसबी)' थीम के अंतर्गत किया गया। इस कार्यशाला में कक्षा 9 से 12 तक के 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागी विद्यार्थी पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, आईआईटी इंदौर, बाल विकास मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिमरोल, जय गुरु

देव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिमरोल, संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवनगर (महू ब्लॉक), शासकीय उच्चतरर माध्यमिक विद्यालय, सिमरोल तथा शासकीय विद्यालय, चिखली से आए थे।

उद्घाटन सत्र में विद्यार्थियों को जैव-प्रौद्योगिकी के साथ-साथ मनोविज्ञान एवं संज्ञान से भी परिचित कराया गया। इस सत्र में मनोविज्ञान के विशेषज्ञ डॉ. केदारमल वर्मा, डॉ. हेम चंद्र झा, डॉ. रितु कोठारी जैन विभिन्न विषयों पर संवाद किया।

कार्यशाला के अंतर्गत विद्यार्थियों को आईआईटी इंदौर के जल शोधन संयंत्र एवं सीवेज शोधन संयंत्र का मार्गदर्शित भ्रमण भी कराया गया, जिससे उन्हें वास्तविक अभियांत्रिकी प्रणालियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।इस कार्यशाला का आयोजन डॉ. आशुतोष मांडपे, सहायक प्राध्यापक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी इंदौर द्वारा किया गया। सभी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी दिए गए।